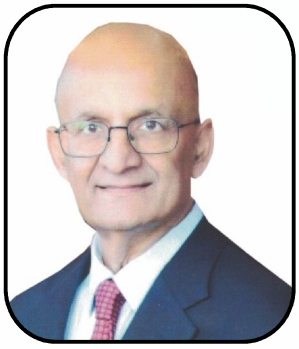

PROF. NITIN NOHRIA

Prof. Nitin Nohria is the Harvard University Distinguished Service Professor and George F. Baker Jr. Professor of Business Administration. A distinguished scholar and leader, he served as the 10th Dean of Harvard Business School from 2010 to 2020, significantly contributing to the school's global reputation and impact. As a thought leader in leadership and organizational behavior, his research has shaped the understanding of CEO effectiveness and corporate performance. His work continues to shape the next generation of leaders and redefine the role of business in society.

2. Born on 9th February, 1962 in Mumbai, Prof. Nohria received his Bachelor of Technology in Chemical Engineering from the Indian Institute of Technology, Bombay, in 1984 and then earned a Ph.D. in Management from the Massachusetts Institute of Technology's Sloan School of Management in 1988. He then joined the faculty of Harvard Business School, where he became a beloved teacher and renowned voice on the factors that drive individual and organizational success. A prolific author, he has co-authored or co-edited 16 books and over 100 research articles and teaching cases.

3. Prof. Nohria as Dean of Harvard Business School, led a decade of transformation focused on innovation, intellectual ambition, internationalization, inclusion, and integration. He revitalized the MBA program by launching Field Immersion Experiences for Leadership Development (FIELD), an innovative hands-on learning initiative to complement the school's famed case teaching method. He spearheaded the launch of Harvard Business School Online, enabling the school to reach a broader global audience. He championed intellectual ambition through initiatives like the U.S. Competitiveness Project, inspiring research on the Future of Work, Financial Stability, and Business and Society. He expanded the school's international reach by opening new research centers in several countries, encouraging faculty and students to learn from the best ideas worldwide. He promoted inclusion, enabling everyone to thrive fully, become more central to the school's culture. He advanced integration across Harvard, particularly through the Harvard Innovation Lab, which has since become a university-wide hub for entrepreneurship. Under his leadership, Harvard Business School also completed a major capital campaign that enhanced its campus and strengthened its ability to influence the future of business education.

4. Prof. Nohria has been actively engaged in management practice as an advisor to leaders in a wide range of firms. He is the chairman of Thrive Capital, a leading venture capital firm, and Exor N.V., a global financial holding company. He also serves on the boards of ABI, Alsym, Bridgespan, Massachusetts General Brigham, and Rakuten Medical. In India, he has been a senior advisor to the Piramal Group and served as an independent director of Tata Sons.

5. Prof. Nohria has received numerous awards and honors for his contributions to business education and leadership. His notable recognitions include the George R. Terry Award for the Best Book by the Academy of Management (1997), the Pricewaterhouse Coopers Award for Best Article (2005), the McKinsey Award for Best Paper in Harvard Business Review (2008), and the C.K. Prahalad Distinguished Scholar-Practitioner Award from the Strategic Management Society (2012). He has also received the Distinguished Alumnus Award from IIT Bombay (2007), Global Indian of the Year from The Economic Times (2010), Indian Global Achiever from CNBC/TV18 (2010), Foreign Policy Association Medal (2013), and honorary doctorates from INCAE Business School, Costa Rica (2018) and Universidad PanAmericana, Mexico City (2019).

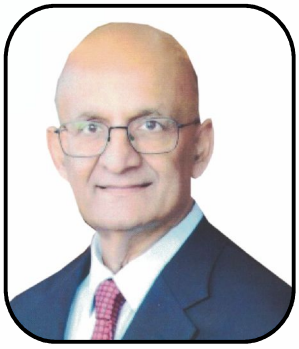

प्रो. नितिन नोहरिया

प्रो. नितिन नोहरिया हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित सेवा प्रोफेसर और जॉर्ज एफ. बेकर जूनियर प्रोफेसर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन है। एक प्रतिष्ठित विद्वान और नेता, उन्होंने वर्ष 2010 से 2020 तक हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के 10वें डीन के रूप में कार्य किया, जिसने स्कूल की वैश्विक प्रतिष्ठा और प्रभाव में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नेतृत्व और संगठनात्मक व्यवहार में एक विचारशील नेता के रूप में, उनके शोध ने सीईओ की प्रभावशीलता और कॉर्पोरेट प्रदर्शन की समझ को आकार दिया है। उनका काम आगामी पीढ़ी के नेताओं को गढ़ने और समाज में व्यवसाय की भूमिका को फिर से परिभाषित करने में जारी है।

2. 9 फरवरी, 1962 को मुंबई में जन्मे प्रो. नोहरिया ने वर्ष 1984 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से केमिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्राप्त की और फिर वर्ष 1988 में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से प्रबंधन में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वह हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के संकाय में शामिल हो गए, जहाँ वह प्रिय शिक्षक और व्यक्तिगत और संगठनात्मक सफलता को प्रोत्साहित करने वाले कारकों पर प्रसिद्ध आवाज़ बन गए। एक प्रसिद्ध लेखक के रूप में, उन्होंने 16 पुस्तकों और 100 से अधिक शोध लेखों और शिक्षण मामलों का सह–लेखन या सह–संपादन किया है।

3. हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के डीन के रूप में प्रो. नोहरिया ने नवाचार, बौद्धिक महत्वाकांक्षा, अंतरराष्ट्रीयकरण, समावेशन और एकीकरण पर केंद्रित उस दशा का नेतृत्व किया जिसमें अनेकों बदलाव हुए। उन्होंने फील्ड इमर्शन एक्सपीरियंसेज फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट (एफआईईएलडी) लॉन्च करके एमबीए प्रोग्राम को पुनर्जीवित किया, जो स्कूल की प्रसिद्ध केस टीचिंग पद्धति के पूरक के रूप में एक अभिनव व्यावहारिक शिक्षण पहल है। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल ऑनलाइन के लॉन्च का नेतृत्व किया, जिससे स्कूल को वैश्विक स्तर पर अधिक लोगो तक पहुँचने का अवसर मिला। उन्होंने यूएस कॉम्पिटिटिवनेस प्रोजेक्ट जैसी पहलों के माध्यम से बौद्धिक महत्वाकांक्षा को बढ़ावा दिया, कार्य के भविष्य, वित्तीय स्थिरता और व्यवसाय और समाज पर शोध को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कई देशों में नए शोध केंद्र खोलकर स्कूल की अंतरराष्ट्रीय पहुँच का विस्तार किया, जिससे संकाय और छात्रों को विश्वभर से सर्वोत्तम विचारों से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने समावेशन को बढ़ावा दिया, जिससे सभी पूरी तरह से विकसित होने में सक्षम हुए, स्कूल की संस्कृति से और अधिक जुड़ गए। उन्होंने हार्वर्ड में एकीकरण को आगे बढ़ाया, विशेष रूप से हार्वर्ड इनोवेशन लैब के माध्यम से, जो तब से उद्यमिता के लिए एक विश्वविद्यालय–व्यापी केंद्र बन गया है। उनके नेतृत्व में, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल ने एक प्रमुख पूंजीगत अभियान भी पूरा किया जिससे इसके परिसर में विस्तार हुआ और व्यावसायिक शिक्षा के भविष्य को प्रभावित करने की इसकी क्षमता सुदृढ़ हुई।

4. प्रो. नोहरिया कई तरह की फर्मों में नेताओं के सलाहकार के रूप में प्रबंधन कार्यप्रणाली में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। वह एक अग्रणी वेंचर कैपिटल फर्म, थ्राइव कैपिटल और एक वैश्विक वित्तीय होल्डिंग कंपनी, एक्सोर एनवी के अध्यक्ष हैं। वह एबीआई, अलसिम, ब्रिजस्पैन, मैसाचुसेट्स जनरल ब्रिघम और राकुटेन मेडिकल के बोर्ड में भी शामिल हैं। भारत में, वह पिरामल समूह के वरिष्ठ सलाहकार रहे हैं और टाटा संस के स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य किया है।

5. प्रो. नोहरिया को व्यावसायिक शिक्षा और नेतृत्व में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में अकादमी ऑफ़ मैनेजमेंट द्वारा सर्वश्रेष्ठ पुस्तक के लिए जॉर्ज आर. टेरी पुरस्कार (1997), सर्वश्रेष्ठ लेख के लिए प्राइसवाटरहाउस कूपर्स पुरस्कार (2005), हार्वर्ड बिज़नेस रिव्यू में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए मैकिन्से पुरस्कार (2008), और स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटी द्वारा सीके प्रहलाद प्रतिष्ठित स्कॉलर–प्रैक्टिशनर पुरस्कार (2012) शामिल हैं। उन्हें आईआईटी बॉम्बे (2007) से प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार, द इकोनॉमिक टाइम्स से ग्लोबल इंडियन ऑफ़ द ईयर (2010), सीएनबीसी/टीवी18 से इंडियन ग्लोबल अचीवर (2010), फॉरेन पॉलिसी एसोसिएशन मेडल (2013), और आईएनसीएई बिज़नेस स्कूल, कोस्टा रिका (2018) और यूनिवर्सिडेड पैनअमेरिकाना, मैक्सिको सिटी (2019) से मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी मिली है।